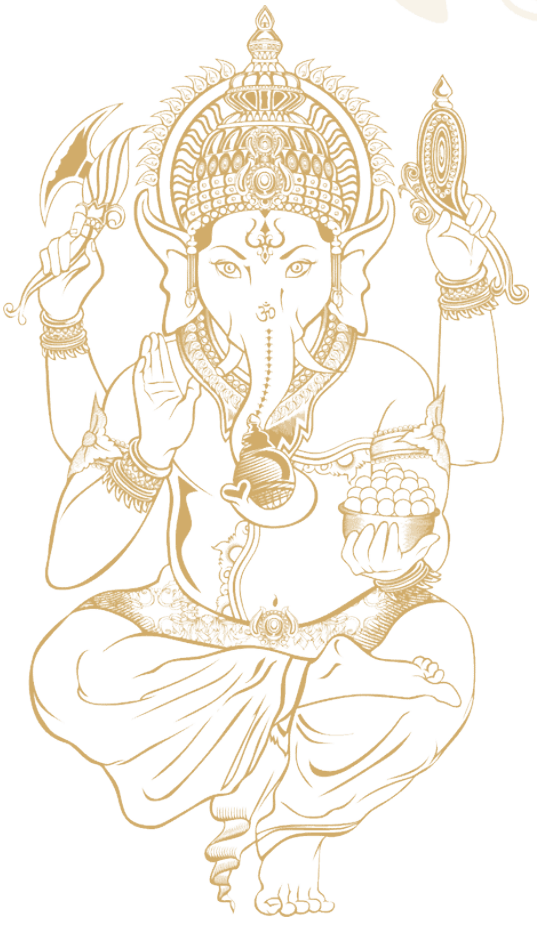

Anurag Astha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121578901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121578901 Date: 13/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31-01/01/2001	जन्म तिथि	13/09/2002
रवि-सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 05:15:00	जन्म समय	17:15:00 घंटे
घटी 55:58:49	जन्म समय(घटी)	28:17:20 घटी
India	देश	India
Jabalpur	स्थान	Sagar
23:10:00 उत्तर	अक्षांश	22:38:00 उत्तर
79:57:00 पूर्व	रेखांश	75:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:10:12	स्थानिक संस्कार	-00:27:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:51:28	सूर्योदय	06:13:23
17:35:57	सूर्यास्त	18:32:55
23:52:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:25

वृश्चिक	लग्न	कुम्भ
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	शनि
कुम्भ	राशि	वृश्चिक
शनि	राशि-स्वामी	मंगल
पू०भाद्रपद	नक्षत्र	ज्येष्ठा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	बुध
2	चरण	2
व्यतिपात	योग	प्रीति
तैतिल	करण	विष्टि
सो-सोमनाथ	जन्म नामाक्षर	या-यामिनी
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	कीटक
सिंह	योनि	मृग
मनुष्य	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	आद्य
मेष	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश
23:43:06	वृश्चि		लग्न		कुंभ	02:43:40
16:45:22	धनु		सूर्य		सिंह	26:37:45
24:42:48	कुंभ		चंद्र		वृश्चि	23:18:28
11:03:55	तुला		मंगल		सिंह	15:34:39
20:23:17	धनु		बुध		कन्या	19:15:48
08:19:28	वृष	व	गुरु		कर्क	15:05:05
03:05:19	कुंभ		शुक्र		तुला	10:13:55
00:43:30	वृष	व	शनि		मिथु	04:28:50
21:39:01	मिथु		राहु		वृष	18:43:21
21:39:01	धनु		केतु		वृश्चि	18:43:21
24:46:59	मक		हर्ष	व	कुंभ	02:01:44
11:27:37	मक		नेप	व	मक	14:39:54
19:54:04	वृश्चि		प्लूटो		वृश्चि	21:05:59

विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 4मा 3दि
शनि
07/05/2011
07/05/2030

शनि	10/05/2014
बुध	17/01/2017
केतु	26/02/2018
शुक्र	27/04/2021
सूर्य	09/04/2022
चन्द्र	09/11/2023
मंगल	17/12/2024
राहु	24/10/2027
गुरु	07/05/2030

विंशोत्तरी
बुध 8वर्ष 6मा 11दि
शुक्र
27/03/2018
27/03/2038

शुक्र	26/07/2021
सूर्य	26/07/2022
चन्द्र	26/03/2024
मंगल	26/05/2025
राहु	26/05/2028
गुरु	25/01/2031
शनि	27/03/2034
बुध	24/01/2037
केतु	27/03/2038

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:52:00 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:25

लग्न-चलित

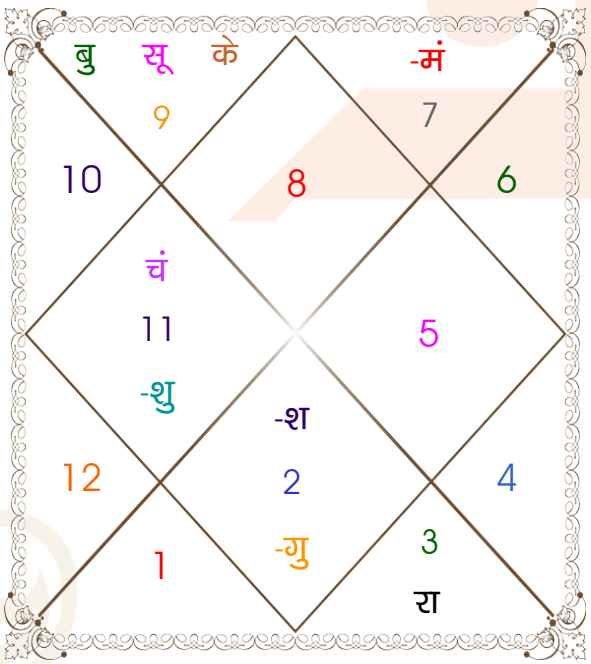

लग्न-चलित

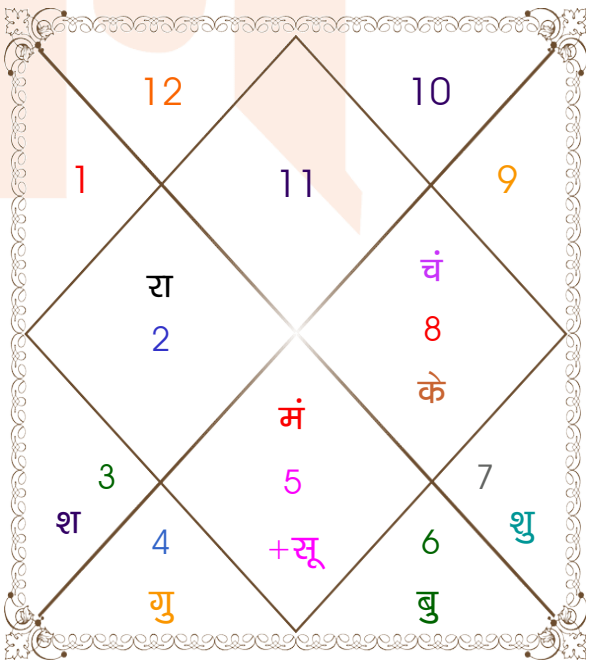

आचार्य ऋषि राज मिश्रा
आचार्य मुकेश त्रिवेदी
आचार्य गोपाल त्रिपाठी
नई दिल्ली,कानपुर,छिंदवाड़ा

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	11.00		

कुल : 11 / 36

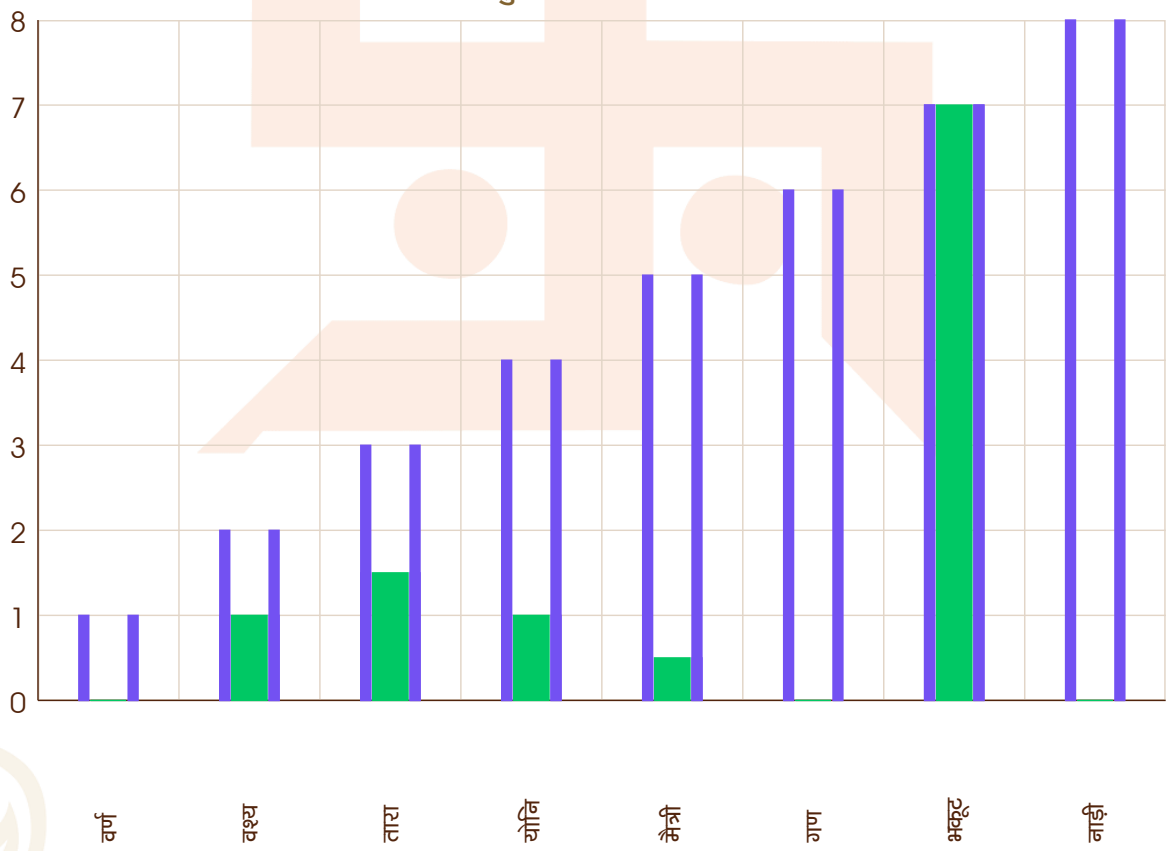

आचार्य ऋषि राज मिश्रा
आचार्य मुकेश त्रिवेदी
आचार्य गोपाल त्रिपाठी
नई दिल्ली,कानपुर,छिंदवाड़ा

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Anurag का वर्ग मेष है तथा Astha का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Anurag और Astha का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Anurag मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Anurag कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Astha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Anurag कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Anurag तथा Astha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Anurag का वर्ण शूद्र है तथा Astha का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Astha का वर्ण Anurag के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। Astha हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही Anurag के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

Anurag का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Astha का वश्य कीट है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। फलस्वरूप Anurag एवं Astha दोनों के बीच हितों का टकराव होता रहेगा साथ ही दोनों के बीच आपसी सहयोग, समझ एवं सामंजस्य का पूर्णतः अभाव बना रहेगा। कभी-कभी दोनों एक-दूसरे के शत्रु भी बन सकते हैं जिससे प्रगति एवं समृद्धि बाधित होती है। दोनों के बीच घमासान चलता रहेगा तथा तनाव एवं संदेह का माहौल कायम हो सकता है।

तारा

Anurag की तारा मित्र तथा Astha की तारा विपत है। Astha की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Anurag एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Astha का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Anurag की योनि सिंह है तथा Astha की योनि मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि

होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Anurag का राशि स्वामी Astha के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Astha का राशि स्वामी Anurag के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Anurag का गण मनुष्य तथा Astha का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Astha का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Anurag एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Anurag से Astha की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Astha से Anurag की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Anurag एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Astha को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Astha हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

Anurag की नाड़ी आद्य है तथा Astha की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Anurag एवं Astha दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में

संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Anurag की जन्म राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा Astha की जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। नैसर्गिक रूप से वायु एवं जलतत्व में असमानता के कारण इनमें स्वभावगत विषमताएं रहेंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता नहीं होगी तथा वैवाहिक सुख भी अच्छा नहीं होगा। अतः यह मिलान विशेष अनुकूल नहीं रहेगा।

Anurag की जन्म राशि का स्वामी शनि तथा Astha की राशि का स्वामी मंगल परस्पर सम एवं शत्रुराशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से Anurag और Astha के दाम्पत्य संबंधों में विशेष अनुकूलता नहीं होगी तथा परस्पर प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति के भाव का भी अभाव रहेगा। अतः सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग अल्प ही प्रदान करेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर कलह विवाद एवं वैमनस्य का भाव रहेगा। अतः दाम्पत्य जीवन में सुख एवं शांति का अभाव रहेगा।

Anurag और Astha की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा शुभ फलों में वृद्धि होगी। अतः एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति एवं अपनत्व के भाव में वृद्धि होगी तथा सुख दुख में एक दूसरे का पूर्ण ध्यान रखेंगे जिससे संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन भी सुख एवं शांति पूर्वक व्यतीत होगा।

Anurag का वश्य मानव तथा Astha का वश्य कीट है। मानव तथा कीट की परस्पर असमानता के कारण इनकी अभिरूचियों में विषमता रहेगी। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं भिन्न होंगी। अतः काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे जिससे संबंधों में तनाव का भाव रहेगा।

Anurag का वर्ण शूद्र तथा Astha का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इनकी कार्य क्षमता में अंतर रहेगा। Anurag की प्रवृति किसी भी कार्य को करने में रहेगी जबकि Astha शैक्षणिक धार्मिक तथा अन्य कार्यो को करने में तत्पर रहेंगी।

धन

Anurag और Astha की तारा सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में तत्पर रहेंगे। इन पर भकूट का प्रभाव भी सम ही होगा लेकिन Anurag पर मंगल का अशुभ प्रभाव रहेगा जिसके प्रभाव से समय समय पर आर्थिक उतार चढ़ाव का सामना कर सकते है। साथ ही लाभ एवं आय स्रोतों में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे।

इसके अतिरिक्त Anurag की प्रवृति अनावश्यक रूप से व्यय करने की भी होगी जिसका आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। अतः उन्हें चाहिए कि अनावश्यक व्यय की

इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें तभी उनकी आर्थिक स्थिति अनुकूल रह सकती है।

स्वास्थ्य

Anurag और Astha दोनों एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए है। अतः इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा जिससे इनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। इसके प्रभाव से दम्पति धातु या गुप्त रोगों से परेशानी की अुभूति करेंगे तथा Astha भी रक्त या पित कष्टों को प्राप्त करेंगी। साथ ही मंगल के प्रभाव से भी Anurag हृदय रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे तथा यदा कदा संभोग शक्ति की शिथिलता की भी अनुभूति कर सकते है। इससे दाम्पत्य जीवन में अशांति का वातावरण होगा। अतः दोनों को अपने स्वास्थ्य का पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा उपरोक्त दुष्प्रभावों की शांति के लिए हनुमानजी की उपासना एवं मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Anurag और Astha का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Anurag और Astha के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Astha के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Astha को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Astha को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Anurag और Astha सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Anurag और Astha का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Astha के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। Astha भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा Astha भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर

दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का Astha को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Anurag के सास के साथ सामान्यतया अच्छे ही संबध रहेंगे तथा उनके प्रति इनके मन में सम्मान तथा आदर का भाव सर्वदा विद्यमान रहेगा। सास को वह माता के समान समझेंगे तथा वह भी उन्हें पुत्रवत स्नेह तथा सहयोग प्रदान करेंगी । साथ ही Anurag भी समय समय पर ससुराल में आते जाते रहेंगे तथा आपस में श्रेष्ठता के भाव की हमेशा न्यूनता रहेगी।

लेकिन ससुर के साथ में सामान्यतया संबधों में तनाव रहेगा तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण वैचारिक मतभेद भी रहेंगे परन्तु यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी Anurag के संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की न्यूनता रहेगी एवं प्रतिद्वन्दिता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Anurag के प्रति विशेष उल्लेखनीय नहीं रहेगा।